नव भारत
इंदौर, गुरुवार 13 मार्च 2014

विशेष

मानव तस्करी पर विशेषज्ञों ने किया विचार-विमर्श

एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग के राज्य स्तरीय सेमिनार का समापन

इंदौर, 12 मार्च. पुलिस रेडियो प्रशिक्षण शाला के दिवसीय राज्य स्तरीय "एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग सेमिनार का आज समापन मध्यप्रदेश पुलिस के पुलिस महानिदेशक नंदन दुबे के मुख्य आतिथ्य में हुआ.

सेमिनार की जानकारी देते संस्था के निदेशक व पुलिस महानिरीक्षक वरूण कपूर ने बताया कि यह 3 दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार में प्रदेश भर के 50 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया. यह सभी उप निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी थे. सेमिनार के दौरान ह्यूमन ट्रेफिकिंग के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रिय स्तर के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ विचार-विमर्श किया.

इन सत्रों के दौरान बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के राष्ट्रीय संयोजक राकेश सिंह सेंगर, सेंटर फर सोशल रिसर्च के लीगल कंसलटेंट सौम्य भौमिक, इंटरनेट एंड मोबाईल एसोसियेशन आफ इंडिया के कंसलटेंट रक्षित टंडन, शक्ति वाहिनी के निदेशक प्रोग्राम एवं प्रोजेक्ट सुबोर रॉय एवं मध्यप्रदेश पुलिस के सहायक पुलिस महानिरीक्षक वीरेंद्र मिश्रा

ने प्रतिभागियों को इस क्षेत्र के कानून, बच्चों की ट्रेफिकिंग, महिलाओं की ट्रेफिकिंग व ऑन-लाईन ट्रेफिकिंग के संबंध में संपूर्ण जानकारी प्रदान की व आवश्यक जानकारी के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों को संदर्भित शिक्षण सामग्री भी प्रदान की गई. प्रतिभागियों ने ज्वलंत विषय पर आयोजित सेमिनार में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त की.

समापन के अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक नंदन दुबे ने इस सेमिनार के विषय व इस संबंध में किये गये प्रयासों, कोर्स डिजाईन, फेकल्टी सभी की प्रशंसा की.

श्री कपूर ने आगे बताया कि समापन अवसर पर संस्था द्वारा चलाये जा रहे सायबर जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट भूमिका निभाने हेतु संस्था के उप पुलिस अधीक्षक सुदीप गोयनका, निरीक्षक वीरविक्रम सिंह सेंगर, निरीक्षक संजय कुमार मोरे, निरीक्षक राजिंदर सिंह वर्मा, उप निरीक्षक राजेंद कुमार स्वामी, प्रआर संजीव तिवारी, आरक्षक सुखदेव कोतवाल एवं आरक्षक राजेश जमरे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और इसके उपरान्त सभी प्रतिभागियों को उनके प्रमाण पत्र भी प्रदान किए.

समापन कार्यक्रम का संचालन प्रांजलि शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक द्वारा, स्वागत भाषण सुदीप गोयनका, उपुअ द्वारा, अतिथियों का स्वागत अशोक अहिरवार द्वारा एवं आभार ए.एन.लिटोरिया, उपुअ द्वारा व्यक्त किया गया.